**CUTS International**

# PRESS RELEASE

***CONSUMER UNITY & TRUST SOCIETY - A registered, recognised, non-partisan, non-profit and non-government organisation pursuing social justice and economic equity within and across borders***

## जैविक खेती में कम लागत में अधिक उत्पादन संभव– जगदीश पारीक

जयपुर, 27 नवम्बर, 2019।

जैविक खेती में कम लागत से अधिक उत्पादन संभव है जिससे किसान की आय में वृद्धि होगी। उक्त विचार सीकर के प्रगतिशील जैविक किसान पद्मश्री श्री जगदीश पारीक ने आज ‘कट्स’ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय मीडिया कार्यशाला में व्यक्त कियें। उन्होंने कहा कि किसानों की बढ़ती आत्महत्याओं की संख्या को जैविक खेती के माध्यम से कम किया जा सकता है।

कार्यशाला में विशेष अतिथि के रूप में डॉ. वी.एस. यादव, डीन, एस.के.एन. एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, जोबनेर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि यह समय की मांग है कि संतुलित दृष्टिकोण के साथ आधुनिक तकनीकों को जैविक खेती के साथ समन्वय करके थाली में आने वाले जहर की मात्रा कम करने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने किसानों के साथ तालमेल स्थापित करने की आवश्यकता एवं प्रभावी नीतियों की रूपरेखा तैयार करने पर जोर दिया।

‘कट्स’ के निदेशक जॉर्ज चेरियन ने बताया कि कृषि में रासयनिक उर्वरकों का बढ़ता उपयोग चिंता का विषय है, तथा रासयनिक उर्वरकों का उपयोग उत्पादन के बदले में 25 गुना बढ़ गया है।’ उन्होंने यह भी कहा कि ‘‘विशेषज्ञों का कहना है कि 2025 तक देश की आबादी का पेट भरने के लिए 30 करोड़ टन खाद्यान्न की जरूरत होगी और इस हेतु फसलों में रासायनिक उर्वरकों की खपत बढ़कर 4.5 करोड़ टन हो जाएगी, जो कि 1960 के दशक में सिर्फ दस लाख टन थी। रासायनिक उर्वरकों की यह बढ़ती खपत बढ़ते स्वास्थ्य खतरों की ओर संकेत करती हैं। कृषि क्षेत्र में वृद्धि दर 1960.–70 में 8.67 प्रतिशत थी, जो 2010 में 2.6 प्रतिशत रही। मिट्टी की उर्वरकता घट रही है। चेरियन ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों पर आधारित उत्पाद मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं, इसलिए ओर्गेनिक उत्पादन और खपत बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि ‘प्रोओर्गेनिक II’ परियोजना दस जिलों की 192 ग्राम पंचायतों में विस्तारित की गई है।

कार्यशाला में बताया गया कि विश्व का लगभग कुल 30 प्रतिशत ओर्गेनिक उत्पादन भारत में होता हे। विश्व ओर्गेनिक कृषि रिपोर्ट, 2018 के अनुसार, विश्व के कुल 2.7 मिलियन ओर्गेनिक उत्पादकों में से 8.35 लाख प्रमाणित जेविक उत्पादक भारत में है। परंतु, विश्व की कुल उपलब्ध भूमि का केवल 2.95 प्रतिशत प्रमाणित ओर्गेनिक भूमि भारत में हे।

दीपक सक्सेना, सहायक निदेशक, ‘कट्स’ ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा राजदीप पारीक, कार्यक्रम अधिकारी ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से परियोजना के तहत अब तक की गई गतिविधियों पर विस्तार से जानकारी दी।

कार्यशाला में 35 मीडिया प्रतिनिधि, परियोजना सहयोगी संस्थाओं एवं जैविक खेती पर कार्यरत संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित 45 से अधिक भागीदारों से सक्रिय भाग लिया।

---

*अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:*
**दीपक सक्सेना (97999 96095 )**
‘कट्स’ सेंटर फॉर कन्ज्यूमर एक्शन, रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग
डी– 218, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर– 302 016, भारत
दूरभाषः 91–.5133259, 2282821 / 2282482 फैक्सः 91–141–4015395
ईमेलः ds@cuts.org